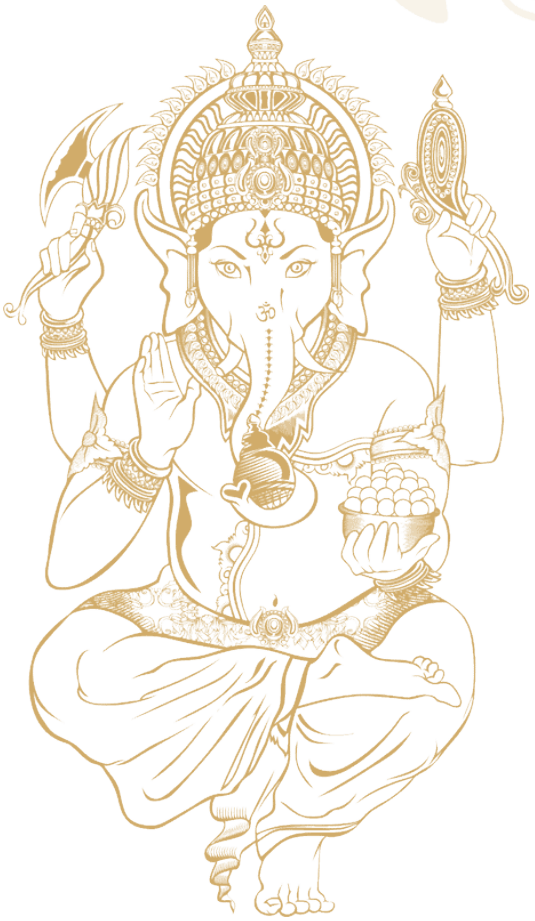

Namrta dadhich

27 Oct 1997

05:05 AM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121452603

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**26-27/10/1997**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**05:05:00 घंटे**
इष्ट	55:55:19 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:27:32 घंटे
वेलान्तर	00:16:03 घंटे
साम्पातिक काल	06:49:02 घंटे
सूर्योदय	06:42:52 घंटे
सूर्यास्त	17:59:52 घंटे
दिनमान	11:17:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	09:45:39 तुला
लग्न के अंश	17:09:56 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	ब्रह्म
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टी-टीना
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	17:09:56	322:58:28	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	---
सूर्य			तुला	09:45:39	00:59:53	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			सिंह	21:12:00	11:46:01	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	26:18:50	00:44:11	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	स्वराशि
बुध		अ	तुला	18:12:20	01:34:29	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			मक	18:50:47	00:03:40	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	नीच राशि
शुक्र			वृश्चि	26:28:29	01:03:22	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	सम राशि
शनि	व		मीन	21:47:22	00:04:23	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	सम राशि
राहु			सिंह	25:13:19	00:00:29	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	25:13:19	00:00:29	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			मक	10:58:42	00:00:38	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप			मक	03:26:40	00:00:36	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	10:26:34	00:02:06	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	---
दशम भाव			मिथु	17:26:51	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:31

लग्न-चलित

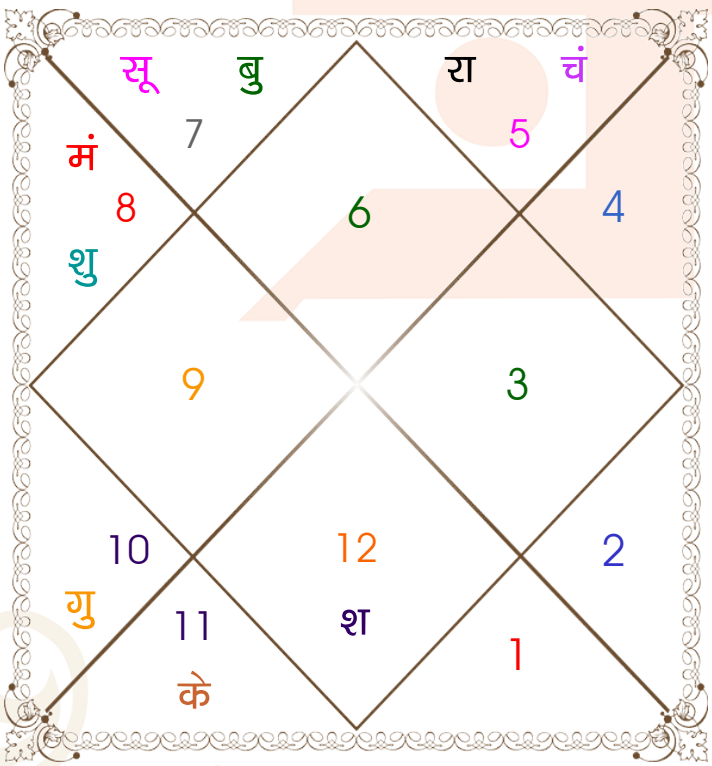

चन्द्र कुंडली

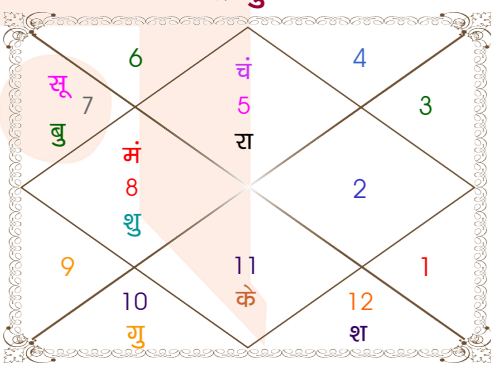

नवमांश कुंडली

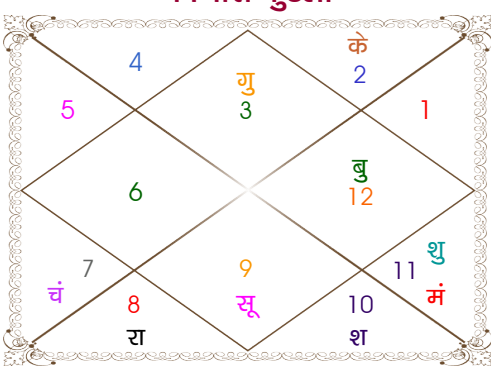

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 8 वर्ष 2 मास 12 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
27/10/1997		08/01/2006		08/01/2012		08/01/2022		08/01/2029	
08/01/2006		08/01/2012		08/01/2022		08/01/2029		08/01/2047	
	00/00/0000	सूर्य	27/04/2006	चंद्र	08/11/2012	मंगल	06/06/2022	राहु	21/09/2031
	00/00/0000	चंद्र	27/10/2006	मंगल	09/06/2013	राहु	24/06/2023	गुरु	13/02/2034
	00/00/0000	मंगल	04/03/2007	राहु	09/12/2014	गुरु	30/05/2024	शनि	20/12/2036
	00/00/0000	राहु	27/01/2008	गुरु	09/04/2016	शनि	09/07/2025	बुध	10/07/2039
	27/10/1997	गुरु	14/11/2008	शनि	08/11/2017	बुध	06/07/2026	केतु	27/07/2040
गुरु	08/11/1998	शनि	27/10/2009	बुध	09/04/2019	केतु	03/12/2026	शुक्र	28/07/2043
शनि	08/01/2002	बुध	02/09/2010	केतु	08/11/2019	शुक्र	02/02/2028	सूर्य	21/06/2044
बुध	08/11/2004	केतु	08/01/2011	शुक्र	09/07/2021	सूर्य	08/06/2028	चंद्र	21/12/2045
केतु	08/01/2006	शुक्र	08/01/2012	सूर्य	08/01/2022	चंद्र	08/01/2029	मंगल	08/01/2047

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
08/01/2047		08/01/2063		08/01/2082		08/01/2099		09/01/2106	
08/01/2063		08/01/2082		08/01/2099		09/01/2106		00/00/0000	
गुरु	25/02/2049	शनि	11/01/2066	बुध	05/06/2084	केतु	06/06/2099	शुक्र	10/05/2109
शनि	09/09/2051	बुध	20/09/2068	केतु	03/06/2085	शुक्र	06/08/2100	सूर्य	11/05/2110
बुध	14/12/2053	केतु	30/10/2069	शुक्र	03/04/2088	सूर्य	12/12/2100	चंद्र	09/01/2112
केतु	20/11/2054	शुक्र	29/12/2072	सूर्य	07/02/2089	चंद्र	13/07/2101	मंगल	10/03/2113
शुक्र	21/07/2057	सूर्य	11/12/2073	चंद्र	09/07/2090	मंगल	09/12/2101	राहु	10/03/2116
सूर्य	10/05/2058	चंद्र	13/07/2075	मंगल	07/07/2091	राहु	28/12/2102	गुरु	28/10/2117
चंद्र	09/09/2059	मंगल	21/08/2076	राहु	23/01/2094	गुरु	04/12/2103		00/00/0000
मंगल	14/08/2060	राहु	27/06/2079	गुरु	30/04/2096	शनि	12/01/2105		00/00/0000
राहु	08/01/2063	गुरु	08/01/2082	शनि	08/01/2099	बुध	09/01/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 8 वर्ष 2 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के तृतीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी साथ-साथ उदित था। आपके जन्मकाल के समन्वित ग्रह प्रभाव से यह परिलक्षित हो रहा है कि आप अध्ययनप्रिय हैं तथा आप सृजनात्मक लक्ष्य के प्रति सतत प्रयत्नशील तथा समर्पित महिला हैं। आपको इस प्रवृति को लाभजनक स्थिति में परिवर्तित करना चाहिए।

आप बुद्धिजीवी महिला है। परन्तु आपका चारित्रिक बल का महत्त्व प्रदर्शन आपके लिए व्यवधान कारक हो सकता है। आपकी सर्वत्र आलोचना होती है तथा आप जन्म सामन्य के दृष्टिकोण से पथभ्रष्ट होने के नाते आप इनकी श्रेणी में नहीं आती परिणाम स्वरूप अच्छी जामात के लोग आपको अपना प्रतिपक्षी (विरोधी) समझते है। आपके कुछ मित्रगण एवं आपके नौकर अधिक विरुद्ध एक जुट होकर आपको जन सामन्य की नजरों से पतित प्रमाणित करने का प्रयास कर सकते हैं। अतः आपको धैर्यपूर्वक एवं शान्त चित्त से अन्य के साथ अपना उत्तम व्यवहार बनाना होगा।

आपमें अन्य दुर्बलता यह है कि आप मध्यपान करने एवं संभोगात्मक प्रवृति से आकर्षित एवं वशीभूत हैं। आपको उत्तम स्वस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए इन आदतों को नियंत्रित करना होगा तथा सुव्यवस्थित पारिवारिक वातावरण को सुनिश्चित करना होगा। क्योंकि मुख्यतः आपकों इस बात का गर्व होगा कि आपके पति बुद्धिमान हैं तथा आपको अच्छी सन्तान का संयोग प्राप्त है।

आपको अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु अनावश्यक सम्बन्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। आपको उत्तम जीवन हेतु अच्छा वातावरण एवं कार्य कलाप अपनाना चाहिए। परन्तु वर्त्तमान काल आपको उदर विकार एवं मूर्च्छा जनित रोगों के प्रति अति संवेदनशील रहना होगा। आपको कतिपय संभावित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रवृति रखनी चाहिए। यथा टायफायड, पेचीश एवं बेहोशी मूर्छा जनित आदि रोग आपको स्तम्भित कर सकता है। आपको सतर्कता पूर्वक अतिरिक्त भोजनादि में शाकाहार ग्रहण करना चाहिए। यह आहार-विहार आपके लिए लाभप्रद सिद्ध है।

आप निश्चय ही धनी होकर सुखमय जीवन यापन कर सकती हों परन्तु आपको प्रयत्नशील रहना होगा। आपको नियमितता बरतनी होगी। सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। प्रायः आपको अस्थिर बुद्धि से अपनी ढुलमुल नीति के अनुसार कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। आपको सर्वप्रथम गम्भीरता पूर्वक अपनी योजना एवं कार्यकलाप के प्रति विचार कर एकाग्रता पूर्वक निर्णयानुसार कार्यारम्भ करें।

आपको शीघ्रतापूर्वक धन उपार्जन हेतु अतिरिक्त शक्ति सम्पन्न होना होगा। आप अनुकूल व्यवसायिक कार्यकलाप में धन का विनियोग कर सकती हैं। बहुधा आप ठोस व्यवसाय अपना सकती हैं। आप अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति उपेक्षात्मक आचरण का निर्माण करें।

आपको अपनी लागत की वापसी हेतु किसी प्रकार की उद्घोषणा करने की

आवश्यकता है।

आप भ्रमणशील प्रवृति की प्राणी है तथा बहुधा आप अपने निवास को परिवर्तित करती रहती हैं। कुछ भी हो आप अपनी परिवर्त्तनशील प्रवृति को अटल करें। यह आपके स्वभाव के लिए एक चाभी प्रमाणित होगा। आप अपने अस्थिर रहन-सहन की आदतों को अपूर्ण नहीं रखें अन्यथा यह आपको अति संचालित करता रहेगा। यदि आप अपने जीवन स्तर को उच्चता प्रदान करना चाहती हैं तो आप इस प्रकार की विशेषता का समावेश अपने जीवन में करे।

आपके लिए अंको में सर्वोत्तम अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। जीवन के लिए स्वाभाविक है। अंक 1 एवं 8 अंक त्याज्यनीय हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप सप्ताहिक दिनों में रविवार, मंगलवार, एवं शनिवार के दिनों को छोड़कर शेष सोमवार, बुधवार, गुरुवार एवं शुक्रवार का दिन आपके मुख्य एवं महत्वपूर्ण कार्यों के सम्पादन हेतु पूर्ण अनुकूल हैं।